प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद–सीतापुर, उ0प्र0।

पत्र सं0–एम0डी0–कैम्प / 2016–17 / 2085 दिनांक : 22 अगस्त, 2016

विषय :–दिनांक 05.08.2016 को मिशन निदेशक,राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जनपद सीतापुर की निरीक्षण आख्या के संबंध में।

महोदय,

अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 05.08.2016 को जनपद सीतापुर के ब्लाक रिद्धौली की आंगनवाड़ी केन्द्र–कुँवरपुर गढ़ा, आंगनवाड़ी केन्द्र–अलादादपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण आख्या संलग्न कर आपको इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि बिन्दुवार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्ति करते हुए अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक

o/c

तददिनांक

पत्रांक–एम0डी0–कैम्प / 2016–17 / 2085–4

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 शासन को सूचनार्थ प्रेषित।
2. जिलाधिकारी जनपद सीतापुर को इस आशय से प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर अपने स्तर से कार्यवाही कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।
3. महाप्रबन्धक, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 को इस आशय से प्रेषित कि अपने स्तर से फालो–अप सुनिश्चित करें।
4. मण्डलीय कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जनपद सीतापुर को इस आशय से प्रेषित कि निरीक्षण आख्या पर कार्यवाही सुनिश्चित कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का कष्ट करें।

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक

05.08.2016 को जनपद सीतापुर की भ्रमण आख्या

अधोहस्ताक्षरी द्वारा आज दिनांक 05.08.2016 को जनपद सीतापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-- सिधौली, जिला महिला चिकित्सालय, हौसला साझीदारी के अन्तर्गत अनुबन्धित मनीष चिकित्सालय एवं डिवाइन चिकित्सालय में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत चलाय़ी जा रही गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के समय जनपद के जिलाधिकारी--श्री अमृत त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी--डॉ0एच0जी0 सिंह, महाप्रबन्धक--डॉ0 हरिओम दीक्षित, उप महाप्रबन्धक--श्री राजेष बांगिया, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक--श्री राजाराम यादव, जनपदीय परियोजना प्रबन्धक--श्री सुजीत कुमार, एच.एल.एल.एफ.पी.टी. के प्रतिनिधि एवं अन्य जनपदीय अधिकारी मौजूद थे।

आंगनवाड़ी केन्द्र--कुंवरपुर गढ़ा, सिद्धौली--

- वी.एच.एन.डी., आँगनवाड़ी केन्द्र में आयोजित था एवं वी.एच.एन.डी. सैशन, माइक्रोप्लान के अनुसार था।
- ए.एन.एम.--सुश्री कल्पना सिंह, आशा--सुश्री किरन, आँगनवाड़ी--पुष्पा उपस्थित थीं। ए.एन.एम. --सुश्री कल्पना सिंह माह अप्रैल 2016 से तैनात हैं। केन्द्र पर प्रचार प्रसार सामग्री प्रदर्शित थी। केन्द्र पर लगभग 25 महिलायें उपस्थित थीं।
    - वी.एच.एन.डी निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध थे--ब्लड प्रेशर मशीन, स्टैथिस्कोप, फीटेस्कोप, हीमोग्लोबिनोमीटर, बज़न मशीन, डा0टॉलेक्विस्ट ब्लॉटिंग बुकलेट (हीमोग्लोबिन नापने के लिये), यूरीस्टिक, ग्लब्स, सिरिंज (5 एम.एल., 2 एम.एल. बी.सी. जी.सिरिंज) वैक्सीन कैरियर, हब कटर, एम.सी.पी. कार्ड।
    - आयरन की गोली, जिंक की गोली, ओ0आर0एस0, पैरासिटामोल, सिरप विटामिन--ए।
    - वैक्सीन--बी.सी.जी.,मजील्स,जे.ई., पैन्टावेलेन्ट, बी.ओ.पी.वी., टी.टी., हिपेटाइटिस--बी
    - ए.एन.एम. के पास ड्यू लिस्ट थी। टीके लगाने के उपरान्त दिये जाने वाले संदेश की जानकारी थी। कार्ड पर निम्नलिखित टीकों का अंकन पाया गया--
        - टी0टी0--   2 बूस्टर खुराक
        - ओ0पी0पी0--   4 खुराक
        - पैन्टावेलेन्ट--   3 द्वितीय 1 तृतीय
        - मजीलस--   2 प्रथम 2 द्वितीय
        - विटामिन 'ए'--   2 प्रथम 2 द्वितीय
        - जे.ई.--   2 प्रथम 2 द्वितीय
- एम.सी.पी. कार्ड पर बच्चों को रजिस्ट्रेशन नम्बर नही लिखा था।
- 2 गर्भवती माँ का हीमोग्लोबिन किया गया था। एक गर्भवती का डा0टॉलेक्विस्ट ब्लॉटिंग बुकलेट के माध्यम से हीमोग्लोबिन कर के दिखाया।
- आशा द्वारा ओ0आर0एस0के पैकेट बॉटे गये थे।
- आर0सी0एच0 रजिस्टर में गर्भवती का एम.सी.टी.एस. रजिस्ट्रेशन अंकित नहीं था। ए.एन.एम. द्वारा बताया गया कि वह माह अप्रैल 2016 से यहॉ तैनात है पिछले छूटे हुये है जिसे पूर्ण कर लिया जायेगा।
- वैक्सीन कैरियर में आईस पैक सही थे, वैक्सीन को जिप पैकेट में सुरक्षित रखा गया था। वैक्सीन का वी.वी.एम. सही पाया गया। आँगनवाड़ी द्वारा लाभर्थियों को दलिया बाँटा गया था
- केन्द्र की साफ सफाई ठीक थी।

आंगनवाड़ी केन्द्र–अलादादपुर, सिद्धौली–निरीक्षण के दौरान आशा–श्रीमती शाजबानो, सहायिका–श्रीमती मीना कुमारी, आंगनवाडी कार्यकत्री–श्रीमती कमलेश कुमारी आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपस्थित थीं।

- वी.एच.एन.डी., आषा के घर के सामने झोपडी में आयोजित था। वी.एच.एन.डी. सैशन, माइक्रोप्लान के अनुसार था। ए.एन.एम.–सुश्री मीना सिंह, आशा–सुश्री ताजबानू, ऑगनवाडी कमलेश कुमारी, उपस्थित थीं।
- सत्र स्थल पर ए.एन.एम. द्वारा झोंपड़ी मे चारपाई पर वी.एच.एन.डी. के लिये आवश्यक सामग्री एवं उपकरण रखी हुयीं थी।
  - ब्लड प्रेशर मशीन, स्टैथिस्कोप, डा0टॉलेक्विस्ट ब्लॉटिंग बुकलेट, यूरीस्टिक, सिरिंज (5 एम.एल., 2 एम.एल. बी.सी.जी.सिरिज) वैक्सीन कैरियर, हब कटर, एम.सी.पी. कार्ड।
  - आयरन की गोली, जिंक की गोली, ओ0आर0एस0, पैरासिटामोल, सिरप विटामिन–ए. ।
  - वैक्सीन–बी.सी.जी.,मजील्स,जे.ई., पैन्टाबेलेन्ट, बी.ओ.पी.वी., टी.टी., हिपेटाइटिस–बी
- ए.एन.एम. के पास ड्यू लिस्ट थी। आशा को ओ0आर0एस0 के 100 पैकेट प्राप्त हुये थे जिसे आशा द्वारा बॉटा गया, परन्तु आवश्यक मात्रा में ओ0आर0एस0 नहीं थे।
- वैक्सीन कैरियर में आईस पैक सही थे, वैक्सीन को जिप पैकेट में रखा गया था। वैक्सीन का वी.वी.एम. सही पाया गया।
- परिवार नियोजन सम्बन्धी जानकारी ए0एन0एम0 को थी परन्तु पात्र दम्पति को सक्रिय रूप में प्रेरित नहीं किया जा रहा था।
- ए0एन0सी0 की जॉच आशा के घर के अन्दर चारपाई पर किया जाता था।
- ए.एन.एम. द्वारा बल्ड प्रेशर जॉच का प्रदर्षन किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–सिद्धौली–सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा अधीक्षक– डॉ0 सुरेन्द्र शाही उपस्थित थे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि सी.एच.सी. पर प्रतिदिन लगभग 20–25 डिलीवरी केसेज होते हैं। प्रसव के उपरान्त महिलाओं को 02 दिन के उपरान्त ही डिस्चार्ज किया जाता है। जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को भुगतान प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को भोजन दिया जा रहा है। लेबर रूम में साफ–सफाई एवं प्रसवोत्तर कक्षों में स्वास्थ्य से सम्बन्धित चित्रों के प्रदर्षन हेतु निर्देशित किया गया।

कोल्ड चेन व्यवस्था ठीक थी परन्तु देख रेख का कार्य सन्तोषजनक नहीं था। एक माह पूर्व एच.वी. के पास चार्ज था। एच.वी. के रिटायर हो जाने के उपरान्त एक माह से किसी को चार्ज नहीं मिला, भ्रमण के एक दिन पूर्व स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्री बीरेन्द्र कश्यप को चार्ज दिया गया था। श्री बीरेन्द्र कश्यप को कोल्ड चेन सम्बन्धी जानकारी की कमी थी। ई–विन घर पर रखा हुआ था जिसके कारण उपलब्ध वैक्सीन की जानकारी नहीं हो सकी। कोल्ड चेन कक्ष में 2 टैम्प्रेचर लॉगर लगाये गये थे जो क्रियाशील थे।

टीकाकरण कक्ष में वैक्सीनेशन का कार्य हो रहा था। साफ सफाई अच्छी थी। सत्र पर आवश्यक सामग्री एवं वैक्सीन उपलब्ध थी। ए.एन.एम. से जानकारी की गयी कि बच्चों के कार्ड में रजिस्ट्रेशन कैसे किया जा रहा है, ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि कार्ड बनाकर बच्चे को आफिस में भेजते है रजिस्ट्रेशन के उपरान्त ही टीका लगाते है।

कार्यालय में बी0पी0एम0 श्री राजुल मौर्या से जानकारी की गयी कि अब तक कितने प्रतिशत गर्भवती एवं बच्चों को अंकन एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर की जा चुकी है? श्री राजुल द्वारा संतोषजनक उत्तर न दिये जाने व कार्य में लापरवाही बरतने के दृष्टिगत इनको सचेत करते हुये किसी दूरस्थ सी.एच.सी. / पी.एच.सी. पर भेजे जाने का प्रस्ताव है।

गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण कार्ड पर एम.सी.टी.एस. आई.डी. एवं उनके बचत खाता नम्बर का अंकन नहीं किये गये थे जिस हेतु ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक एवं बी.सी.पी.एम. को निर्देशित किया

Ashok

गया। सी.एच.सी. पर High Risk Pregnancy (HRP) महिलाओं का पंजीकरण नहीं हो रहा है। इस हेतु सम्बन्धित एम.सी.टी.एस.ऑपरेटर को कड़े निर्देश दिये गये।

जिला महिला चिकित्सालय, सीतापुर– जिला महिला चिकित्सालय में सर्वप्रथम एस.एन.सी.यू. का निरीक्षण किया गया। चिकित्सालय में कुल 12 रेडियन्ट वार्मर उपलब्ध हैं। चिकित्सालय में केवल 01 बाल रोग चिकित्सक तैनात हैं जबकि जिला पुरुष चिकित्सालय में 03 बाल रोग चिकित्सक तैनात हैं। *केस लोड को देखते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि महिला चिकित्सालय में 01 और बाल रोग चिकित्सक की तैनाती की जाय।*

महिला चिकित्सालय की मुख्य अधीक्षिका डॉ सुषमा कर्णवाल द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में कुल 132 बेड हैं जिनमें 22 बेड सिजेरियन केस के लिए हैं। चिकित्सालय में कुल 04 सर्जन तैनात हैं। *गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण कार्ड पर एम.सी.टी.एस. आई.डी. एवं उनके बचत खाता नम्बर का अंकन नहीं पाया गया। इस सम्बन्ध में डॉ0 कर्णवाल द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में तैनात ऑपरेटर का सलेक्शन अन्यत्र हो जाने के कारण, उक्त पद रिक्त है जिसके कारण उक्त कार्य किसी और से लिया जा रहा है। उनके द्वारा 01 ऑपरेटर तैनात करने की मांग की गई।*

एक स्थानीय महिला द्वारा शिकायत की गई कि अल्ट्रासाउण्ड कराने हेतु रू0 100.00 की धनराशि लिये जाते हैं। श्रीमती राधा मिश्रा पत्नी श्री अनूप मिश्रा द्वारा अवगत कराया गया कि उनको बाहर से अल्ट्रासाउण्ड कराने हेतु कहा गया था। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी को जॉच करने एवं सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। चिकित्सालय में भर्ती अन्य महिलाओं से जानकारी प्राप्त करने पर ज्ञात हुआ कि चिकित्सालय में अन्य सभी सुविधाएं सभी को प्राप्त हो रही है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को लेबर रूम में साफ–सफाई एवं प्रसवोत्तर कक्षों में स्वास्थ्य से सम्बन्धित चित्रों के प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका द्वारा अवगत कराया गया कि उनके चिकित्सालय में डिलीवरी केसेज बहुत ज्यादा हैं कभी–कभी 01 बेड पर 02–02 महिलाओं को रखना पड़ता है। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय परिसर में अतिरिक्त 20 बेड हेतु पर्याप्त स्थान है परन्तु बेड तथा साज–सज्जा हेतु बजट न होने कारण कठिनाई हो रही है। 20 बेड एवं साज–सज्जा हेतु अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था हेतु उनके द्वारा अनुरोध किया गया।

चिकित्सालय परिसर में उपस्थित आशाओं द्वारा ओ.आर.एस. न प्राप्त होने की शिकायत की गई। निरीक्षण के दौरान ज्ञात हुआ कि जिला महिला चिकित्सालय में स्थापित आर.ओ. सिस्टम खराब है जिसको यथाशीघ्र ठीक कराने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी को यह भी निर्देश दिये गये कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत जिन महिलाओं की नसबन्दी फेल हो जाती है, उनको भुगतान करने के सम्बन्ध में जनपद स्तर पर Family Planning Indemnity Scheme की नियमित बैठक कराते हुए भुगतान कराना सुनिश्चित करें।

जनपद सीतापुर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0एच0जी0 सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि उनके जनपद में चिकित्साधिकारियों की अत्यन्त कमी है जिसके कारण जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रहीं हैं। उनके द्वारा जनपद हेतु 02 अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, 02 उप मुख्य चिकित्साधिकारी एवं 04 ए0एन0एम0 की मांग की गई है।

दिनांक 6 अगस्त 2016 को मिशन निदेशक,एन0एच0एम0 / अधिशासी निदेशक, सिफ्सा द्वारा हौसला साझीदारी कार्यक्रम के अर्न्तगत दो अस्पताल – मनीष हास्पिटल एवं डिवाइन हास्पिटल का निरीक्षण किया गया।

मनीष हास्पिटल

मनीष हास्पिटल को दिनांक 13.01.2016 को हौसला साझीदारी कार्यक्रम के तहत सम्बद्ध किया गया। हास्पिटल की सम्बद्धता दिनांक 13.01.2016 से 12.01.2021 तक की गई है। इस आशय का प्रमाण पत्र जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी किया गया।

1. मिशन निदेशक द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह की 9 तारीख को मनीष हास्पिटल की डा0 रीतू जैन की सेवायें हाई रिस्क प्रिगनेन्सी की जाचं हेतु जिला महिला चिकित्सालय में ली जाय।

2. यह भी निर्देशित किया गया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हास्पिटल में नियमित भ्रमण किया जाय।

3. मिशन निदेशक द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि नसबन्दी सेवाओं में कितनी धनराशि लाभार्थी को दी जाती है एवं प्रत्येक लाभार्थी कितना पैसा हास्पिटल द्वारा प्राप्त किया जाता है का उल्लेख हास्पिटल के दीवारों पर चस्पा किया जाय।

4. यह भी सुनिश्चित कियां जाय कि अस्पताल में मुफ्त नसबन्दी सेवा मिलती है एवं नसबन्दी के उपरान्त वेज कम्पेन्शेसन हेतु एक हजार रूपये निर्गत किया जाता है।

5. हास्पिटल द्वारा कुल 43 लेप्रोस्किोपिक की गई है एवं एच0एल0एफ0पी0पी0टी0 इस हास्पिटल को सहयोग दे रहा है। मिशन निदेशक द्वारा एच0एल0एफ0पी0पी0टी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि वे क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता को सुनिश्चित करते हुए अधिक लाभार्थियों को प्रेरित करके मनीष हास्पिटल में परिवार नियोजन के साधन उपलब्ध करायें।

6. मिशन निदेशक द्वारा देखा गया कि कुछ लाभार्थियों को नसबन्दी प्रमाण पत्र नहीं दिये गये थे। उक्त के संदर्भ में डा0 रीतू जैन को मिशन निदेशक द्वारा निर्देशित किया गया कि वे नसबन्दी प्रमाण पत्र को लाभार्थियों के फालो अप उपरान्त तुरन्त उपलब्ध करायें। लाभार्थी अभिलेखों में खाता संख्या एवं पहचान पत्र का भी परीक्षण किया गया। बहुत से लाभार्थियों के फोन नम्बर उपलब्ध नहीं थे जिसे मिशन निदेशक द्वारा भरने को निर्देशित किया गया था।

डिवाइन हास्पिटल

डिवाइन हास्पिटल को दिनांक 9.02.2016 को हौसला साझीदारी कार्यक्रम के तहत सम्बद्ध किया गया। हास्पिटल की सम्बद्धता दिनांक 9.02.2016 से 8.02.2021 तक की गई है। इस आशय का प्रमाण पत्र जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। एम0ओ0यू0 के अभिलेखों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डिवाइन हास्पिटल के प्रभारी एवं मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। अस्पताल के अभिलेखों में लाभार्थी का विवरण सही तरीके से भरा गया था। डिवाइन अस्पताल द्वारा डा0 रचना सक्सेना को हौसला साझीदारी के तहत अनुसूचित किया गया है। डिवाइन अस्पताल में डा0 पंकज अवस्थी (एम0बी0बी0एस0) फिजीशियन का कार्य देख रहे हैं।

1. मिशन निदेशक द्वारा निर्देशित किया गया कि अस्पताल की सफाई का विशेष रूप से ध्यान दिया जाय।

2. चूंकि अस्पताल में अधिक संख्या में लाभार्थी नसबन्दी की सेवाएं प्राप्त करते हैं। अतः अस्पताल में इन्फैक्शन प्रिवेन्शन हेतु समय समय पर एच0एल0एफ0पी0पी0टी0 द्वारा ट्रेनिंग दी जाय।

3. मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे लाभार्थियों का सत्यापन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें ताकि अस्पताल का भुगतान समय से हो सके। उपरोक्त भ्रमण में जिलाधिकारी, सीतापुर भी मौजूद थे।

4. मिशन निदेशक द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यह भी निर्देशित किया गया कि जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में सभी प्राइवेट अस्पतालों की समीक्षा हौसला साझीदारी कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में की जाय।

5. डिवाइन अस्पताल को डा0 मुदित पाण्डेय द्वारा चलाया जा रहा है एवं गत माह तक 470 नसबन्दी लाभार्थियों का भुगतान भी किया जा चुका है। लगभग 250 नसबन्दी लाभार्थियों का डेटा पोर्टल पर चढ़ाया जाना शेष है।